



# ‘सागरमाला’ देश के विकास में गेम चेंजर है: पहली कार्यशाला राजधानी में आयोजित

Posted On: 09 JUN 2017 8:47PM by PIB Delhi

शिपिंग मंत्रालय ने आज नई दिल्ली में अपने प्रमुख कार्यक्रम “सागरमाला पर अमल में तेजी लाना – राज्यों के साथ साझेदारी ” पर एक कार्यशाला आयोजित की। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य सागरमाला कार्यक्रम के लिए शिपिंग मंत्रालय, अन्य सम्बन्धित मंत्रालयों और भारत के विभिन्न समुद्र तटवर्ती राज्यों के बीच साझेदारी बढ़ाना था।

इस कार्यशाला की अध्यक्षता सचिव (शिपिंग) श्री राजीव कुमार ने की और इस अवसर पर मुख्य भाषण नीति आयोग के सीईओ श्री अमिताभ कांत ने दिया। इस अवसर पर श्री अमिताभ कांत ने कहा कि बंदरगाह आर्थिक विकास के उत्प्रेरक साबित हो सकते हैं और इसके साथ ही वे देश में निरन्तर 10 फीसदी की आर्थिक विकास दर हासिल करने में मददगार साबित हो सकते हैं। अतः ऐसी स्थिति में सागरमाला कार्यक्रम देश के विकास में गेम चेंजर साबित होगा।

चीन, कोरिया, जापान, और सिंगापुर की सफलता की गाथाओं का उल्लेख करते हुए श्री अमिताभ कांत ने कहा कि समुचित ढंग से क्रियान्वयन के लिए समस्त हितधारकों का समूह बनाने की जरूरत है और इसके साथ ही निर्यात पर केन्द्रित रणनीति बनाने की भी आवश्यकता है। उल्लेखनीय है कि चीन, कोरिया, जापान, और सिंगापुर में बंदरगाहों की अगुवाई में देश का तेजी से विकास हुआ है। भारत की आर्थिक विकास दर को बढ़ाकर 7.6 फीसदी के स्तर पर ले जाने के लिए वैश्विक बाजारों में पैठ बनाना आवश्यक है जिसमें केवल बंदरगाह ही महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने इस ओर ध्यान दिलाया कि भूमि कोई चुनौती नहीं है और मुख्य जरूरत इस बात की है कि उपलब्ध संसाधनों का इष्टतम उपयोग किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि भारतीय वस्तुओं को वैश्विक बाजारों में उपलब्ध वस्तुओं के समकक्ष बनाने के लिए लॉजिस्टिक्स लागत को घटाना अत्यन्त जरूरी है और यह तभी संभव हो पाएगा जब बंदरगाह आगे चलकर विनिर्माण केन्द्रों (हब) में तब्दील हो जाएंगे। उन्होंने भारत में कूज पर्यटन की असीम संभावना होने की बात दोहराई और सभी तटीय राज्यों से अपील की कि वे इसे बढ़ावा देने की दिशा में ठोस कार्य करें।

सचिव (शिपिंग) श्री राजीव कुमार ने उद्घाटन सत्र में कहा कि परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए राज्यों के प्राधिकरणों की ओर से सक्रिय भागीदारी अत्यन्त आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सागरमाला कार्यक्रम नियोजन के चरण से आगे बढ़कर अब क्रियान्वयन के चरण में पहुंच गया है और तीन ऐसे महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं जिनसे जुड़ी परियोजनाओं का काम राज्यों को अपने हाथ में लेना चाहिए। कनेक्टिविटी का विस्तार करना, कूज शिप का विकास करना और तटीय नौवहन को बढ़ावा देना इन तीन महत्वपूर्ण क्षेत्रों में शामिल हैं।

उपर्युक्त कार्यशाला का उद्देश्य मुख्य हितधारकों को सागरमाला कार्यक्रम के प्रावधानों, इसके उद्देश्यों और सागरमाला के तहत परियोजनाओं के क्रियान्वयन हेतु उनके लिए उपलब्ध अवसरों से परिचित कराना था।

कार्यशाला में समुद्र तटवर्ती राज्यों के प्रधान सचिवों, बंदरगाहों के प्रमुखों और सम्बन्धित मंत्रालयों के अधिकारियों ने भी भाग लिया।

सागरमाला कार्यक्रम के बारे में जागरूकता बढ़ाने और हितधारकों के साथ बेहतर संवाद सुनिश्चित करने के लिए शिपिंग मंत्रालय ने सागरमाला कार्यक्रम के तत्वावधान में अगले 6-8 महीनों के दौरान अनेक कार्यशालाएं आयोजित करने की योजना बनाई है।

\*\*\*\*\*

वीके/आरआरएस/सीएल -1688

(Release ID: 1492468) Visitor Counter : 8

